उत्पत्ति

बीडीआर 10 को पीले रंग के लार्वे की लगभग 26 पीढ़ियों के निरंतर चयन से विकसित किया गया है जबकि बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बोइरदादर में लार्वल कीटपालन किया जा रहा है। लार्वल रंग में स्थिरता दिशात्मक चयन के माध्यम से प्राप्त की गयी है।

विशेषताएं

1. नव स्फुटित लार्वा, युवा एवं परिपक्व लार्वा का रंग पीला होता है।
2. बीडीआर-10 वास्तविक द्विप्रज है जबकि डाबा स्थर नहीं है।
3. डाबा की तुलना में प्रेब्रिन एवं वायरोसिस के लिए कम संवेदनशील है।
4. विभिन्न स्थानों में कीटपालन प्रदर्शन उत्साहजनक पाया गया है।
5. शरीर का पीला रंग प्रतिबिंब के रूप में कार्य करता है तथा शरीर के तापमान को कम करता है जो लार्वा को उच्च तापमान में जीवित रहने के लिए बनाता है।
6. कुल मिलाकर डाबा द्विप्रज की तुलना में कच्चे रेशम की प्राप्ति अधिक तथा अपशिष्ट कम होता है।
7. डाबा द्विप्रज की तुलना में कोसा उपज एवं बीजागार प्रदर्शन अच्छा है ।

बुतरेबीसं, बिलासपुर प्रकाशन
विस्तार बुलेटिन सं : 4
प्रकाशन वर्ष - 2018

संपादन
एम चन्द्रशेखरैय्या
एम एस राठौड़
यू. न. सिंह
आर बी सिन्हा
आलोक सहाय

कापीराइट © केन्द्रीय रेशम बोर्ड

प्रकाशक :

निदेशक
बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,
केन्द्रीय रेशम बोर्ड
(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, भाया-गनियारी, बिलासपुर-495112 (छत्तीसगढ)

दूरभाष : 07752-291735,291736;
फेक्स : 07752 – 291735
ई-मेल: btssobil.csb@nic.in
वेबसाइट : www.btsso.org

(अपने स्मार्ट फोन के ऐप द्वारा इस क्यू आर कोड को स्केन करें।)

हिन्दी अनुवाद एवं टंकण
श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)

बीडीआर-10
उष्णकटिबंधीय तसर रेशमकीट की एकमात्र प्राधिकृत प्रजाति *एन्थीरिया माईलिटा डी*

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन
केन्द्रीय रेशम बोर्ड
(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया-गनियारी, बिलासपुर-495112 (छत्तीसगढ)

उपलब्धियां

औसत बहुप्रजता लगभग 250 तथा औसत अंडजोत्पत्ति प्रतिशत लगभग 85% है।

प्रथम एवं द्वितीय फसल के दौरान प्रति रो.मु.च. 95 एवं 120 क्रमश: औसत कोसा उपज दर्ज की गयी।

प्रथम फसल के दौरान कोसा भार रेंज 9.18 ग्रा. से 12..78 ग्रा. तथा द्वितीय फसल के दौरान 11.00 ग्रा. से 16.37 ग्रा. रही।

प्रथम फसल के दौरान औसत कोसा भार एवं एस आर (%) 1.37 ग्रा. तथा 12.48 ग्रा. तथा द्वितीय फसल में 1.87 ग्रा. तथा 16.30 ग्रा. क्रमश: रहा है।

प्रक्षेत्र परिस्थितियों में बीडीआर-10 पोलिहाइड्रल विषाणु के प्रति अधिक सहिष्णु है।

छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार व झारखण्ड राज्यों में कोसा उपज एवं रोमुच की प्राप्ति डाबा द्विप्रज से उच्चतम है।

उपज एवं कोसा प्राचल

बीडीआर-10	स्फुटन (%)	उपज/ रोमुच
I फसल	83	95.00
II फसल	89	119.75

बीडीआर-10	कोसा भार (ग्रा.)	कोशित भार (ग्रा.)	कवच भार (ग्रा.)	एस. आर. %
I फसल	10.98	9.61	1.37	12.48
II फसल	11.47	9.6	1.87	16.3

आर्थिक विशेषताएं

1	बहुप्रजनता	240 - 260
2	स्फुटन %	82 - 90 %
3	10 लार्वा का वजन (पूर्ण ग्रोन)	380 - 430 g
4	10 लार्वा का वजन (प्रि-स्पिनिंग)	386 g
5	कुल लार्वाल अवधि (दिन)	35 - 40
6	V निरुप की लार्वल अवधि (दिन)	11
7	एकल कोसा भार (नर)	10.34 g
8	एकल कोसा भार (मादा)	13 g
9	एकल कवच भार (नर)	1.58 g
10	एकल कवच भार (मादा)	1.96 g
11	कवच अनुपात % (नर)	15.2 %
12	कवच अनुपात % (मादा)	15 %
14	प्यूपीकरण दर	93 – 97 %

कोसोत्तर विश्लेषण

गुणवत्ता की विशेषताएं	I फसल		II फसल	
	डाबा, द्विप्रज	बीडीआर -10	डाबा, द्विप्रज	बीडीआर - 10
औसत कोसा भार ग्राम में	9.04	9.24	10.17	11.93
औसत कवच भार ग्राम में	0.93	0.98	1.36	1.54
औसत तंतु लंबाई मीटर में	394.8	410.25	733.86	802.66
औसत तंतु भार ग्राम में	0.48	0.52	0.85	0.93
औसत तंतु डेनियर	11.14	11.58	10.41	10.42
धागाकरण क्षमता (%)	34.03	34.46	28.29	34.86
कच्चा सिल्क (%)	55.04	59.69	54.17	62.55
अपशिष्ट (%)	45.71	40.84	46.19	37.78
गैर टूटने योग्य तुंतु लंबाई (मीटर) में	105.68	136.06	179.19	219